# తెలుగు భాషా ప్రవేశిక

# तेलुगु भाषा प्रवेशिका

# TELUGU PRIMER

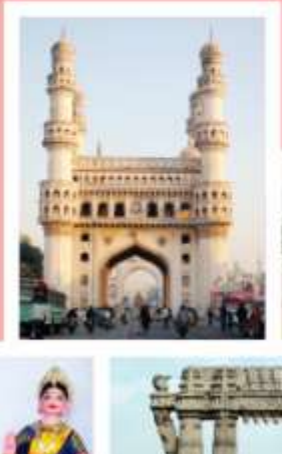

CIIL-NCERT Primer Series

# ई-पाठशाला

## क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

# दीक्षा

**दीक्षा** एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

**श्री नरेंद्र मोदी**

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

# తెలుగు భాషా ప్రవేశిక

# तेलुगु भाषा प्रवेशिका

# TELUGU PRIMER


भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

# తెలుగు భాషా ప్రవేశిక

# तेलुगु भाषा प्रवेशिका

# TELUGU PRIMER

A basal reader of Telugu alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

*Editors*

Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Ramanujam Meganathan

*ISBN:*978-81-971106-0-3

*First Edition:* November, 2024

*Published by* CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
*All rights reserved.* No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

*Cover Design:* Saravanan A S
*Cover Photo:* Prattipati Matthew

*Printed by* CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

## संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/ घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

# संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

# प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

नवंबर 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

# भूमिका/Introduction/పరిచయం

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययनकरने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

అనేక భాషలు/మాతృభాషలు మాట్లాడే భిన్న సంస్కృతుల దేశంగా భారతదేశం ఎన్నో యుగాలనుండి విలసిల్లుతోంది. దైనందిన జీవితంలో మనం ఉపయోగించే అనేక భాషలు మనల్ని ఒకే జాతిగా గుర్తింపజేస్తూ, ఒకే తాటిన నడుపుతూ ఉండటం ఈ దేశపు ముఖ్యమైన ఒక ప్రత్యేకత. ఈ విధంగా, భారతదేశానికి గల బహుభాషాప్రవృత్తిని ఒక గొప్ప సంపదగా భావిస్తూ, దాన్ని చక్కటి నైపుణ్యంతో దేశపు సాంఘిక-సాంస్కృతిక, ఆర్థిక, విద్యావికాసాల కోసం వినియోగించవలసిన అవసరం ఉందని జాతీయ విద్యావిధానం (NEP) 2020లో బలంగా గుర్తించడం జరిగింది. తత్ఫలితంగా, ప్రతి విద్యాస్థాయిలోనూ విద్యార్థులు తమ భాషలలో అధ్యయనం చేసే అవకాశాలను కల్పించి, తద్వారా బహుభాషాతత్వాన్ని ప్రోత్సహించాలని సిఫారసు చేస్తుంది. భారతీయ భాషలన్నిటిలోనూ నేర్పడానికీ-నేర్చుకోవడానికీ కావలసిన సామగ్రిని సృష్టించడం ద్వారా ఈ బహుభాషా సంపద

అభివృద్ధి చెంది, తద్వారా 'వికసిత భారత' నిర్మాణానికి మెరుగైన సహకారాన్ని అందించడం వీలవుతుంది. NEP 2020తో అనుసంధానమైనట్టి ప్రాథమిక వాచకాలను రూపొందించడానికి, భారతదేశపు ప్రతి ప్రాంతానికీ చెందిన ప్రత్యేక భాషా-సాంస్కృతిక లక్షణాల అవగాహన కలిగిన సమగ్రమైన, సమ్మేళనాత్మకమైన పద్ధతిని అవలంబించాలి. ఈ ప్రాథమిక వాచకాలు మరి ముఖ్యంగా ఈ **తెలుగు భాషా ప్రవేశిక** ప్రాథమికదశలోని విద్యార్థులకు రాయడం, చదవడం వంటి భాషానైపుణ్యాలను అందించడానికే కాక, వారిలో సృజనాత్మకతను, విమర్శనాత్మకమైన ఆలోచనాధోరణిని పోషించడం కూడా లక్ష్యంగా కలిగినవి. ఇది తెలుగు భాష లోని అక్షరాలు - చిహ్నాల ఉచ్చారణ, గుర్తించడం, అర్థం చేసుకోవడానికి ఉపయోగపడే సాధనం. అంతే కాకుండా పిల్లలకు ఆయా అక్షరాలను ఒక పదం ప్రారంభంలో, మధ్యలో, అంతంలో కూర్చినప్పుడు అటువంటి వేర్వేరు కూర్పుల అర్థాలను కూడా పరిచయం చేస్తుంది. దీనికి అదనంగా, క్రమేణా పరిచయమయ్యే అక్షరాలను రాయడాన్ని సాధన చేయడానికి ఉదాహరణలను కూడా సమకూర్చుతుంది; ఇక ప్రాసగేయాలు(రైమ్స్), విద్యార్థులలో భాషాభివృద్ధికి, అభిజ్ఞ నైపుణ్యాలను బలోపేతం చేయడానికీ తోడ్పడతాయి.

नवंबर 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

## CIIL-NCERT Primer Series: Telugu Primer Development Team

*Guidance*

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

*Advisors*

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

*Coordinator*

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

*Editorial Coordinator*

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

*Resource Persons*

Prattipati Matthew, Chief Resource Person (Academic), National Translation Mission (NTM), CIIL, Mysuru
Srinivas Bandaa, Freelance Voice Artist and Writer, New Delhi

*Hindi Reviewer*

Ankita Tiwari, Hindi Resource Person, Linguistic Data Consortium for Indian Languages, CIIL, Mysuru

*Design Team*

Nandakumar L, JRP (Technical), NTM, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

*We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.*

# తెలుగు భాషా ప్రవేశికని ఎలా ఉపయోగించాలి?

మూడు నుండి ఎనిమిది సంవత్సరాల వయసున్న పిల్లలకు తమ మాతృభాష, ఇంటి భాష, స్థానిక భాష, ప్రాంతీయ భాషలలో విద్యను బోధించడానికి గల ప్రాముఖ్యత మీద జాతీయ విద్యా విధానం 2020, జాతీయ పాఠ్యప్రణాళిక రూపురేఖాచట్రం 2022 దృష్టిని సారించాయి. పిల్లల మౌఖిక భాషను అభివృద్ధి చేసి తద్వారా వాళ్ళు అర్థం చేసుకోవడానికీ, నేర్చుకోవడానికీ, నిస్సంకోచంగా సంభాషించగలగడానికి తోడ్పడేలా ఈ ప్రాథమిక వాచకాన్ని అనగా తెలుగు భాషా ప్రవేశిక ని ప్రత్యేకంగా రూపొందించడం జరిగింది. ఇందులోని ప్రతి భాగంలోనూ పిల్లల మౌఖిక భాషానైపుణ్యాలను పెంచడానికి రెండు-మూడు వాక్యాలుండే చిన్న చిన్న పాటలు, ప్రాసగేయాల(రైమ్స్)ని చేర్చడం జరిగింది. ఈ పాటలనీ లేక ప్రాసగేయాలనీ బిగ్గరగా పాడుతూగానీ చదువుతూగానీ ఉపాధ్యాయులు పిల్లలను చర్చల్లో నిమగ్నం చేయవచ్చు. వాటి అర్థాన్ని కూడా వివరించవచ్చు. తద్వారా త్రిభాషా విధానాన్నీ, భారతదేశం భాషా వైవిధ్యంగల దేశమన్న విషయాలను దృష్టిలో ఉంచుకొని, ఈ తెలుగు భాషా ప్రవేశిక పిల్లలకు తమ మాతృభాషలోని పదాలనే కాక మరొక భాషతో కూడా పరిచయాన్ని కలిగిస్తుంది. ఉదాహరణకు - తెలుగుభాషలోని అమ్మ అన్న పదం, ఇంగ్లీషులో mother అవుతుంది. దీనివల్ల తమ జ్ఞానాన్ని అభివృద్ధి చేసుకోవడంతోబాటు, భారతదేశపు వైవిధ్యాన్ని అర్థం చేసుకొని ఆమోదించడం పిల్లలకు లేతవయసులోనే వీలవుతుంది. భాష నేర్పడమే కాక, ఈ పుస్తకం శబ్దా(ధ్వను)లను, అక్షరాలను, పదాలను పరిచయం చేసి, అక్షరాలను, పదాలను చదవడం, రాయడానికి అభ్యాసానికి కూడా పిల్లలకు వీలు కల్పిస్తుంది. ఇరవై అంకెల వరకూ లెక్కించడాన్ని కూడా ఇది వస్తువుల బొమ్మల సాయంతో పరిచయం చేస్తుంది.

శబ్ద పరిచయం: పిల్లలు ఒక్కొక్క బొమ్మనూ గమనించి, తత్సంబంధిత వస్తువును దాని పేరుతో సహా గుర్తిస్తారు. బొమ్మతో సంబంధం ఉన్న మొదటి శబ్దాన్ని గుర్తించడానికి ఉపాధ్యాయులు విద్యార్థులను ప్రోత్సాహిస్తారు. ఉదాహరణకు, 'ఓడ' బొమ్మను చూపినప్పుడు, అది 'ఓ' అన్న శబ్దంతో మొదలవుతుందని పిల్లలు గుర్తుపడతారు.

అక్షరాల పరిచయం: ముందుగా, 'ఓ' అన్న అక్షరపు ఆకారాన్ని చూపడంతో ఉపాధ్యాయులు పిల్లలకు దాన్ని పరిచయం చేస్తారు. విద్యార్థులకు ఇచ్చిన పదాలలో 'ఓ' అక్షరాన్ని కనుగొనమని అడుగుతారు. ఆ తర్వాత, 'ఓ' అక్షరపు శబ్దాన్ని మూడు నాలుగు పదాలలో పలికి, 'ఓ' అక్షరాన్ని రాయడాన్ని అభ్యాసం చేసి నేర్చుకొంటారు.

చదవడం: పిల్లలు బొమ్మలను చూసి తమ స్వంత భాషలో పదాలను పలుకుతారు. "ఓడ" వంటి పదాలను చదవడానికి తమ వేలిని పదాల మీద ఎడమ నుండి కుడివైపుకి కదుపుతూ నేర్చుకుంటారు. 'ఓ' అక్షరం ఉన్న వేర్వేరు పదాలను అభ్యాసం చేసి /oo/ అన్న శబ్దా(ధ్వని)న్నిగుర్తించి, పలకగలుగుతారు. 'ఓ' అక్షరం పదానికి మొదటలోనా, మధ్యలోనా, చివరిలోనా అన్నది గుర్తించి, వేర్వేరు పదాలలో దాని స్థానాన్ని అర్థం చేసుకోవడానికి పిల్లలకు ఉపాధ్యాయులు సహాయం చేస్తారు.

బోర్డ్ మీద 'ఓ' అక్షరాన్ని రాసి చూపి, ఓడ అన్న పదాన్ని మరో మూడు నాలుగు పదాలతో బాటు రాస్తారు. పిల్లలకు బాగా తెలిసిన సందర్భాలనుంచి సేకరించే ఈ పదాలను, చదవడానికీ అక్షరాలను గుర్తించే అభ్యాసాలకూ ఉపయోగిస్తారు. ఈ పదాలను, పుస్తకం లోని బొమ్మలతో చేర్చి చూసి పిల్లలు గుర్తిస్తారు.

ఉపాధ్యాయులు ఒక పదాన్ని రాసి, ఒక్కొక్క అక్షరాన్నీ చదవమని పిల్లలను అడిగి, ఆ తర్వాత అక్షరాలన్నిటినీ కూర్చి ఒక పదంగా మొత్తాన్ని చదవమంటారు.

రాయడం: ఉపాధ్యాయులు ప్రారంభంలో, అక్షరాలను పరిచయం చేయడానికి ముందు నిలువుగా, అడ్డంగా, ఏటవాలుగా, వంకరగా ఉన్న గీతలను గీయడాన్ని పిల్లలకు నేర్పుతారు. అక్షరాలను పరిచయం చేసిన వెంటనే, ఓడ అనే పదంలో 'ఓ' అనే అక్షరాన్ని రాయడాన్ని నేర్పుతారు. పెన్సిల్ కదలికల సరైన పద్ధతిని నేర్పి, పిల్లలు అలా రాయడంలో వారికి సహాయపడతారు. ఇలా నేర్పే పద్ధతినే 'రాత సహాయం' అంటారు. ఆ తర్వాత, అక్షరపు ఆకారాన్ని సూచనగా చేసుకుని, 'ఓ' అనే అక్షరాన్ని రాయడాన్ని పిల్లలు స్వతంత్రంగా సాధన చేస్తారు. ఈ కార్యాచరణ జరుగుతున్నంతసేపూ పిల్లలు చదవడానికీ రాయడానికీ ఉపాధ్యాయులు మార్గదర్శకత్వాన్ని వహిస్తారు.

దీనికి అదనంగా, పాఠశాల గ్రంథాలయంలోని కథల పుస్తకాలను చదివి, పిల్లలకు తేలికగా అర్థమయ్యే భాషలో వాటిని చర్చించవచ్చు. మౌలిక దశలు – అంటే బాలవాటిక I, II లేక III కి చెందిన పిల్లలు తేలికగా అర్థం చేసుకోగలుగుతారు, పైగా ఆ కథలూ కవితలూ శిశు ప్రాసగేయాలు (నర్సరీ రైమ్స్) తమతమ మాతృభాషల్లో బోధిస్తే పిల్లలు మరింత ఆసక్తిని కనబరుస్తారు. ఇప్పటికే పిల్లలు వందలాది పదాలను తెలుసుకొనివుంటారు గనుక, ఈ తెలుగు భాషా ప్రవేశిక లో ఇచ్చిన పదాలు కేవలం అక్షరాస్యత ప్రదర్శన మాత్రమే.

ఈ తెలుగు భాషా ప్రవేశిక లో సమగ్రంగా ప్రాచీన, ఆధునిక తెలుగు భాషలోని అక్షరాలను అన్నింటినీ తెలుగు వర్ణమాల (దీనినే అక్షరమాల అని కూడా అంటారు) పట్టికలో పొందుపరచటం జరిగింది. పై తరగతులకు అవసరమని భావించి అధునిక తెలుగుభాషలో వాడుకలోలేని అక్షరాలకు నలుపురంగుతో సూచించటం జరిగింది. ఉపాధ్యాయులు దీనిని గమనించి ఈ తెలుగు భాషా ప్రవేశిక ను ఉపయోగించుకోవలసివుంటుంది.

ఉపాధ్యాయులు అన్ని అక్షరాలను పరిచయం చేయటంతోపాటుగా ఆధునిక తెలుగు భాషలోని అక్షరాలను ప్రత్యేకపరచి, ప్రాచీన తెలుగు భాషలో ఉండి, ప్రస్తుతం ఆ ప్రాచీన అక్షర రూపాలకు ఆధునిక తెలుగు భాషలోప్రాతినిధ్యం వహించే వాటి రూపాలను స్పష్టంగా వివరించాలి. తెలుగు భాషలోని అన్ని అక్షరాలను పరిచయం చేసే నేపథ్యంలో గుఱ్ఱము స్థానే గుఱ్ఱం అని ఉంటే - అక్కడ "ఱ" బండిరా కు ప్రాధాన్యతనిచ్చి, దాని ఆధునిక వాడుక రూపమైన "ర" ను గురించి, ఇంకా "ము" అనే అక్షరానికి దాని ఆధునిక వాడుక రూపమైన నిండుసున్న "ం" వాడకాన్ని కూడా చెప్పవలసి ఉంటుంది.

ఉదాహరణలు: 1)"**ఱ**"గొఱ్ఱె పిల్ల (ప్రాచీన అక్షర రూపం **ఱ-బండిరా**)>గొ**ర్రె** పిల్ల(ఆధునిక తెలుగు భాషలో వాడుతున్న అక్షర రూపం **ర**). అదేవిధంగా మరొక అంశం గు**ఱ్ఱ**ము >గు**ర్రం**. ఇక్కడ "ము" అక్షర స్థానంలో నిండుసున్న "ం" వాడటం జరుగుతుంది. దీనిని పూర్ణనుస్వారం అని కూడా అంటారు. ఇవి కూడా ఆధునిక తెలుగు రచనాశైలికి సంబంధించినవి.

2) అరసున్న (ఁ) దీనిని అర్ధానుస్వారం అని కూడా అంటారు. ఇది వాడుకలోలేదు.

ఉదాహరణ: అరఁటి >అరటి, తెలుఁగు > తెలుగు వంటి అనేక వ్యత్యాసాలు ప్రాచీన, ఆధునిక రచనాశైలులలో ఉన్నప్పటికీ తెలుగుభాషలోని అన్ని అక్షరాలను పరిచయం చేయడంతోపాటుగా ఉన్నత తరగతులలో తెలుగుభాషను అర్థంచేసుకోడానికీ విద్యార్థులు అక్షరాలకు సంబంధించిన ఏరకమైన ఇబ్బందులు

పడకుండా ఉండేందుకు  అక్షరాలు అన్నింటిని ఇవ్వటం జరిగింది. కొన్ని సంస్కృత పదాలు పరిచయం లేనివి ఉన్నా ఉపాధ్యాయులు వివరించటానికి కావలసిన బొమ్మలూ ఇంకా హిందీ భాషలో అర్థాలు కూడా ఉన్నాయి.

3) హలంత్ 'ౝ', ౠ, ఌ, ౡ, ఁ, ఞ, ౘ, ౙ, ఱ వంటి అక్షరాలుకూడా ప్రస్తుతం వాడుకలోలేవు.

ఌ - ఆధునిక  రాత పద్ధతిలోని "క్లుప్తం"పదానికి అసలు అసలు రూపం క్ఌప్తం. ఇది ఆధునిక కాలంలో "ల" గా వాడుకలో ఉంది.

4) ౘ, ౙ అక్షరాల స్థానంలో చ, జ లను అలాగే ఱ అక్షరస్థానంలో 'ర'అక్షరాన్ని వాడటం జరుగుతుంది. ఉదాహరణకు:

ౘందమామ> చందమామ

ౙామకాయ> జామకాయ

గుఱ్ఱం > గుర్రం

అరసున్న (ఁ) వాడుకలోలేదు. ఉదాహరణకు

అరుఁగు> అరుగు

5) ౠ, ౠ – ౠక లో నూ పితౄణం లోనూ ఉన్నాయి. విసర్గ"ః"వాడకం పూర్తిగా తగ్గిపోయింది. కేవలం అంతఃపురం, దుఃఖం, మనఃశాంతి (మనశ్శాంతి),  అంతఃకరణం, పునః పరిశీలన వంటివి కొన్ని కూడా మనుగడలో ఉన్నాయి.

6) ఉభయాక్షరాలు:  సున్నం, అరసున్న ఁ, విసర్గ "ః "

7) ద్విత్వాక్షరాలు: ఒక అక్షరం కింద అదే అక్షరం పునరుక్తం అవ్వటం వలన వీటిని ద్విత్వాక్షరాలు లేదా ద్విరుక్తాక్షరాలు అని కూడా అంటారు. ఇంకా మరిత స్పష్టంగా చెప్పుకోవాలనుకుంటే ఒక హల్లుకు అదేహల్లు ఒత్తుగా వస్తే ఆ అక్షరాన్ని ద్విత్వాక్షరం  అంటారు.

ఉదాహరణకు : అక్క (క్+ క్+ అ), "సుద్దముక్క"  (ద్+ ద్+ అ), (క్+ క్+ అ)

8) సంయుక్తాక్షరాలు: ఒక హల్లుకు వేరే హల్లు ఒత్తుగా వస్తే ఆ అక్షరాన్ని అంటారు.

మార్గం  అనే పదంలో  ర అక్షరానికి గ వత్తు వచ్చి  చేరి  "ర్గ" సంయుక్తాక్షరం అయ్యింది. సత్యం  - త అక్షరానికి య వత్తు వచ్చి చేరి  "త్య" సంయుక్తాక్షరం అయ్యింది.

9) ప్రత్యేక అక్షరం: క్ష (క్ +ష్ + అ = క్ష)- రెండు హల్లులు ఒక అచ్చుతో కూడిన ప్రత్యేక అక్షరం. దీనిని సంయుక్త అక్షరం అని అంటారు.

10) ౝ హలంత్ (క్ + అ = క); నకారం. హలంత్ వాడుకలో ఉంది.ముఖ్యంగా వ్యక్తుల, ఊర్లపేర్లలో కనిపిస్తుంది.  ఉదాహరణ : రమేష్, సురేష్, కిరణ్ , ప్రకాశ్ నగర్,అశోక్ నగర్ వంటివి.

11) వలపలగిలక గుర్తు - ఇది ప్రాచీన తెలుగు భాషలో వాడుకలో ఉండేది. ఆధునిక తెలుగుభాషలో వాడుకలోలేదు. దీనిని నేర్పినందువలన నష్టంలేదు.

12) ఋ, ౠ, ఌ, ౡ, విసర్గ సంస్కృతం లోనివి.  ఇవి తెలుగులో లేవు. ఇంకా  ఖ, ఘ, ఙ, ఛ, ఝ, ఞ, ఠ, ఢ, ణ,  థ,  ధ,  ఫ, భ, య, శ, ష , హ , ళ, క్ష వంటి అక్షరాలు గల పదాలను  సంస్కృతం నుండి తత్సమాలుగా తెలుగులోనికి వచ్చినవిగా గుర్తించవచ్చు. వీటిని గురించిన అదనపు సమాచారం పై తరగతులలో

నేర్చికోవటం జరుగుతుంది. ఋ అక్షరం ఋషి లోనూ  విసర్గ అంతఃపురం లో ఇంకా కొన్ని అంతఃకరణం వంటి పదాలలో నిలిచి ఉంది. పులి పదానికి బదులుగా "వ్యాఘ్రం" అని ఉంటే బెదిపోవాల్సిన పనిలేదు. అన్ని ధ్వనుల అవసరాన్నిబట్టి ఆ పదాన్ని, మరికొన్ని పదాల్నీ వాడవలసి వచ్చింది. ఉపాధ్యాయులు గమనించి బోధించాల్సి వుంటుంది.

ఫలం (సంస్కృతం) పుస్తకాలలోనూ, కాఫీ (ఇంగ్లీషు) వ్యవహారంలోనూ మాఫీ (ఉర్దూ), షామియానా(ఉర్దూ) షరాయి(ఉర్దూ). షరాయి ని వ్యవహారంలో "చెరాయి"అని, ఇంకా పాంటు అనే అర్థంలో కూడా వాడుతున్నారు. ఇంకాలాగు, నిక్కరు, చెడ్డీ అనే పదాలు కూడా వాడుకలో ఉన్నాయి.

ఉపాధ్యాయుడు, ఉపాధ్యాయురాలు, విద్యార్థి, బోధన, శిక్షణ, అభ్యసన, అభ్యాసం, పరీక్ష, ఇవి తెలుగు లోవున్న సంస్కృత భాషా పదాలని గుర్తుపెట్టుకోవాలి. ఇంగ్లీషు, ఉర్దూ ఇంకా ఇతరభాషల నుండి వచ్చిన పదాలనుఅన్యదేశ్యాలు అని అంటారు. తెలుగుభాషలోని పదాలన్నీతత్సమాలు, తద్భవాలు, దేశ్యాలు, అన్యదేశ్యాలు, గ్రామ్యాలుగా వర్గీకరించటం జరిగింది.

ప్రస్తుతం ఆధునిక తెలుగు భాషలో వాడుకలో వున్న అక్షరాలు:

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| అ | ఆ | ఇ | ఈ | ఉ | ఊ | ఋ | ఎ | ఏ | ఐ |
| ఒ | ఓ | ఔ | అం | అః | | | | | |
| క | ఖ | గ | ఘ | | | | | | |
| చ | ఛ | జ | ఝ | | | | | | |
| ట | ఠ | డ | ఢ | ణ | | | | | |
| త | థ | ద | ధ | న | | | | | |
| ప | ఫ | బ | భ | మ | | | | | |
| య | ర | ల | వ | శ | ష | స | హ | ళ | క్ష |

వివరం: ఙ అనే అక్షరం "వాఙ్మయం"  అనే సంస్కృత పదంలోనూ  ఞ అనే అక్షరం "విజ్ఞానం" అనే పదంలోనూ ఉన్నాయి.

ఙ– అంగి, జింక, అంగడి రంగం, తరంగం వంటి పదాలలోనూ

ఞ  - కంచం, మంచం, గంజి, గొంగడి, గుంజ, కోడిపుంజు వంటి పదాలలో

నిండుసున్న "ం" వాడటం జరుగుతుంది. దీనినే పూర్ణనుస్వారం అని కూడా అంటారు.

ఈ తెలుగు భాషా ప్రవేశిక లో సమగ్రంగా ప్రాచీన, ఆధునిక తెలుగు భాషలోని అక్షరాలను అన్నింటినీ తెలుగు వర్ణమాల లేదా అక్షరమాల అంటారు. వీటిని ఒక పట్టికలో పొందుపరచటం జరిగింది.  పై తరగతులకు అవసరమని భావించి అధునిక తెలుగుభాషలో వాడుకలోలేని అక్షరాలను కూడా ఇవ్వటం జరిగింది. ఉపాధ్యాయులు దీనిని గమనించి  ఈ తెలుగు భాషా ప్రవేశిక ను ఉపయోగించుకోవలసివుంటుంది. శుభం.

**ఈకింద ఇచ్చిన రేఖలను చూసి ఖాళీలలో వాటిని గీయడానికి ప్రయత్నించండి:**

నిలువు రేఖ :

అడ్డ రేఖ :

ఏటవాలు రేఖ 1 :

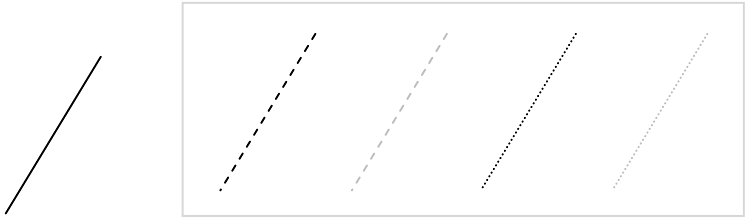

ఏటవాలు రేఖ 2 :

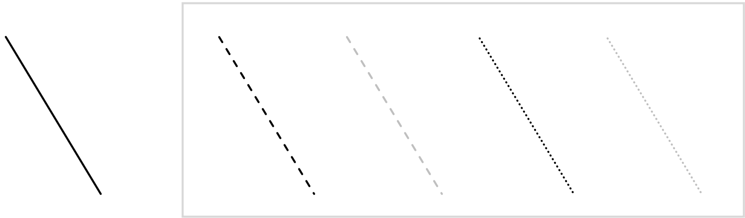

వక్ర రేఖ 1 :

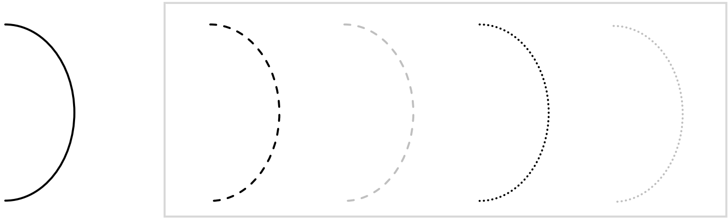

వక్ర రేఖ 2 :

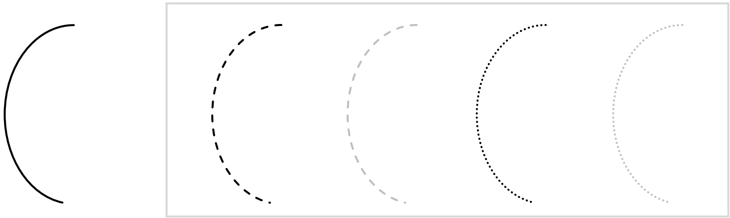

*గమనిక :* పెన్/పెన్సిల్ ని ఎలా పట్టుకోవాలో, ఇచ్చిన ఖాళీలలో ఎలా గీయాలో ఉపాధ్యాయులు నేర్పాలి.

# తెలుగు వర్ణమాల

## (तेलुगु वर्णमाला)

## అచ్చులు

## (स्वर)

అ ఆ ఇ ఈ ఉ ఊ

ఋ ౠ ఌ ౡ

ఎ ఏ ఐ

ఒ ఓ ఔ

అం అః ◌ఁ

గమనిక: పై వర్ణమాలలోని నల్లరంగులోని అక్షరాలు ఆధునిక తెలుగు వాడుకలో లేవు ఉపాధ్యాయులు గమనించాలి. కానీ ఈ అక్షరాలను పరిచయం చేయాలి.

# హల్లులు

## (व्यंजन)

క ఖ గ ఘ ఙ

చ ౘ ఛ జ ౙ ఝ ఞ

ట ఠ డ ఢ ణ

త థ ద ధ న

ప ఫ బ భ మ

య ర ల వ

శ ష స హ

ళ క్ష ఱ

గమనిక: పై వర్ణమాలలోని నల్లరంగులోని అక్షరాలు ఆధునిక తెలుగుభాషలో వాడుకలో లేవు ఉపాధ్యాయులు గమనించాలి. కానీ ఈ అక్షరాలను పరిచయం చేయాలి.

# అ

## అమ్మ

मॉं

అమ్మాఅమ్మా మా మంచి అమ్మ
చిలిపి నవ్వుకు చిరునామా నీవే
చిరునవ్వులు చిందిస్తూ
గోరుముద్దల తొలివాచకమా నీ వడే
నా బడి అమ్మనుడి నా పలుకుబడి!!!

| | | |
|---|---|---|
| అన్నం | అరక | అరటి |
| चावल | हल | केला |

| అ | అ | అ | |
|---|---|---|---|

# ఆ

# ఆవు

## गाय

ఆటలు ఆడుదాం పాటలుపాడుదాం
ఆవుపాలను ఆరగిద్దాం
ఆరోగ్యంతో ఆటలు ఆడి
విశ్వవిజేతలై దేశకీర్తిని చాటేద్దాం!!!

ఆట

खेल

ఆలుగడ్డ

आलू

ఆడ పిల్ల

बच्ची

ఆ ఆ ఆ

ఇ

ఇల్లు

घर

చూడు చూడు మా ఇల్లు
సుందరమైనది  మా ఇల్లు!
ప్రకృతివడిలో మా ఇల్లు!
కళకళలాడే మా ఇల్లు!

ఇటుక

ईंट

ఇసుక

रेत

ఇస్త్రీ పెట్టె

इस्त्री

ఇ ఇ ఇ

# ఈ

ఈగ

मक्खी

ఈగా ఈగా ఓఈగా
ఇల్లిల్లు  తిరిగే ఓ ఈగా
ఇంటింటి కథలతోమా ఇంటికొస్తే
చప్పట్లు కొడతాం జాగ్రత్త!!!

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| ఈక | ఈటె | ఈత |
| पंख | भाला | तैरना |

ఈ ఈ ఈ

| | |
|---|---|
| # ఉ | # ఉడుత<br>गिलहरी |

ఉడతా ఉడతావచ్చావా!

ఉల్లి ఉలవలు నువ్వు తెస్తే!

గుప్పెడు పప్పులు నీకిస్తా!

ఉప్పు

नमक

ఉల్లిపాయ

प्याज

ఉలవలు

कुल्थी

ఉ ఉ ఉ

# ఊ

## ఊరు

## गाँव

చిట్టి పొట్టి పిల్లలం
ఉన్న ఊరే ఉడుం బలం!
ఊయల ఊగితే ఆనందం!
ఆట విడుపులో చేరేద్దాం!
ఊడలుపట్టి ఊగేద్దాం!

ఊయల

झूला

ఊడ

बरोह

ఊలు

ऊन

ఊ ఊ ఊ

# ఋ

## ఋషి

## ऋषि

రండీ రారండి! చిన్నారులూ!
వినండి! చిన్నారులూ!
ఋతువుల ఋణం తీర్చలేనిది!
ఋషులజీవితాలకు
ఋజువులు మీరండి!

ఋతువు

ऋतु

ఋణం

ऋण

ఋతుడు

सूरज

ఋ ఋ ఋ

# ఎ

## ఎలుక

## चूहा

వచ్చేశాం వచ్చేశాం!
జంతుశాలకు  వచ్చేశాం!
ఎలుగుబంటినే చూసేశాం!
ఎలుక కన్నాలు దాటేశాం!!!

ఎద్దు

साँड़

ఎలుగుబంటి

भालू

ఎండ్రకాయ

केकड़ा

ఎ ఎ ఎ

# ఏ

## ఏనుగు

## हाथी

ఏనుగమ్మా ఏనుగు
మా మంచి ఏనుగు
మావటి ఎక్కిన ఏనుగు
మా ఊరొచ్చిన ఏనుగు
ఊరేగించిన ఏనుగు!!!

| ఏరు | ఏటవాలు | ఏకరూపదుస్తులు |
|---|---|---|
| छोटी नदी | ढलान | यूनिफार्म |

ఏ ఏ ఏ

# ఐ

# ఐకమత్యం

## एकता

ఐకమత్యమే మన బలం
చేతులు చేతులు కలిపేద్దాం
కలిసికట్టుగా చదివేద్దాం
మనశక్తిని చాటేద్దాం
కావలసినశ్రేణులు పొందేద్దాం!!!

| 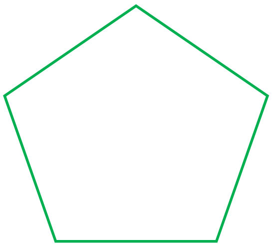 | | |
|---|---|---|
| ఐదుభుజాలు | పుల్లఐసు | పైరు |
| पंचकोण | आइसक्रीम | फसल |

ఐ ఐ ఐ

# ఒ

## ఒంటె

## ऊंट

రండీ రండీ చూడండి!
ఎడారిన నిలిచిన ఒక ఒంటె
నే ఎక్కి తిరిగెద అటూ ఇటూ
ఎడారిఓడ పై థార్ అంతా
రండీ రండీ చూడండి!!!

| | | |
| --- | --- | --- |
| ఒడ్డు | ఒర | ఒక కలం |
| तट | म्यान | एक कलम |

ఒ ఒ ఒ

# ఓ

## ఓడ

## जहाज

రంగమెల్లి వచ్చేనా మంచి అన్న
ఓడలోనే బోయెనే ఓడలోనే వచ్చెనే
నాకోసం తెచ్చేనే ఓబుట్టబొమ్మ
ఇంతలోన వచ్చెనే ఓటుహక్కు
హహహ!!!

| | | |
|---|---|---|
| ఓటు | ఓటికుండ | ఓష్ఠం |
| वोट | खंडित मृदभांड | होठ |

| ఓ | ఓ | ఓ | |
|---|---|---|---|

# ఔ

## ఔషధం

दवा

ఔషధాలు  వాడకం మనకొద్దు
ఆరోగ్యజీవితం మనకు ముద్దు
పౌష్టికాహారమే మనహద్దు
నడకా ఆటా పరుగే ఇక మన వ్యాపకం!

ఔరు

घास

ఔజనం

सोना

ఔదల

मुकुट

ఔ ఔ ఔ

# అం

# అంగడి

## दुकान

అంగడిలోనివి అందెలు
కాళ్ళకు కట్టిన అందెలు
అందమిచ్చిన అందెలు
అంజలి ఘటించె నందరికీ
నాట్యమయూరిగా పేరొచ్చె!

అందె

घुंघरू

అంజలి

नमस्कार

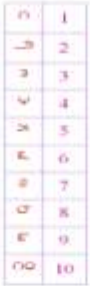

అంకెలు

अंक

అం అం అం

అః

# ప్రాతః కాలం

सुबह

పిల్లలూ! ప్రాతః కాలానే లేచి
కాలకృత్యాలు తీర్చుకొని
తలదువ్వు కొని, ఉపాహారం తిని
ఇంటిపని చేసుకొని, ఏకరూపదుస్తులతో
పలకాబలపం, పుస్తకాలసంచితో
బడికి రావాలి తొలి పొద్దుపొడుపుకు
ఉషః కిరణాలుగా!

ఉషః కిరణాలు

किरण

అః అః

అః అః

అః అః అః

# క

# కలం

# कलम

కలం గలిగిన కలిమిగలుగు
కలం గార్చును అక్షరమాల
కంకరరాళ్ళూ- ఒంటరి పిచ్చుక
కవితా పిపాసుల దాహార్తి దీర్చును
ఆహాహా!!! ఇదే గదా నా కలం!!!

కన్ను

आँख

కంకర

गिट्टी

పిచ్చుక

गौरैया

| | | | |
|---|---|---|---|
| క | క | క | |

ఖ

ఖర్జూరం

खजूर

తియ్యతియ్యని ఖర్జూరమా
అరుదలను పెంచే ఆహారమా!
ఎముకల శక్తికిపోషకమా!
ఇనుము నిచ్చే అద్భుతమా!
తియ్యతియ్యని ఖర్జూరమా!

ఖరం

गधा

శిఖరం

चोटी

లేఖ

पत्र

ఖ ఖ ఖ

# గ

# గరిటె

# करछुल

గదల పోరుకుఔను గదా!
గంటెలు టకటకకాగులుడబడబ!
శబ్దకాలుష్యానికి అర్థం ఇదే!
ఆహ్! నా చెంత లేకుంటే ఎంత మేలు!

| | | |
| --- | --- | --- |
| గద | ఉగ్గుగిన్నె | గరగ |
| गदा | दूध की कटोरी | मटका |

| | | | |
| --- | --- | --- | --- |
| గ | గ | గ | |

# ఘ

## ఘంట

## घंटी

గణ గణ మోగెను ఘంటలు
బడికి వెళ్ళే వేళాయే
పలకా బలపం చేపట్టి
సమయాభావం తొలగించి
విద్యా బుద్ధులు నేర్చేద్దాం!

ఘటం

घड़ा

నిఘంటువు

शब्दकोष

మేఘం

बादल

ఘ ఘ ఘ

# చ

## చక్రం

## पहिया

గిర గిర తిరిగే ఈ చక్రం
ఎద్దుల బండిది ఈ చక్రం
ఎద్దుల బండిని ఎక్కేసి
చూసి వచ్చేదం అన్నదాతల్ని
చేసి నేర్చేదంవ్యవసాయం!

| | | |
|---|---|---|
| చక్కెర | పుచ్చకాయ | చెమ్చా |
| चीनी | तरबूज | चम्मच |

| | | | |
|---|---|---|---|
| చ | చ | చ | |

# ఛ

## ఛత్రం

## छाता

పిల్లలూ! ఛత్రం గొడుగూ ఒకటేనా
ఒకటే! ఒకటే! ఒకటే!
ఎండవేడికీ వానతడుపుకూ ఒకటేనా!
ఒకటే! ఒకటే! ఒకటే!
వాడేద్దాం! చిన్నాపెద్దా అందరం!

| | | |
|---|---|---|
| ఛదనం | కచ్ఛపం | పుష్పగుచ్ఛం |
| पत्ता | कछुआ | पुष्पगुच्छ |

ఛ ఛ ఛ

ఙ

# జతపక్షులు

# पक्षियों का जोड़ा

జత పక్షులు మా కిష్టం
సజ్జలూ చిరుధాన్యాలు మా ఇంట
మాకిచ్చునంట ఆరోగ్య పంట
రోగనిరోధకశక్తినీ పెంచు నంట

జడ

चोटी

సజ్జలు

बाजरा

సజ్జ

टोकरी

ఙ ఙ ఙ

# ఝ

ఝండా

झंडा

రంగురంగుల మన ఝండా
త్యాగం శాంతి వృద్ధి లకు చిహ్నమిదే
శ్రమశక్తికి చక్రమిదే
పింగళి వెంకయ్య రూపించినదిదే
మన భారతజాతికి చిహ్నమిదే!

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| ఝరి | నిర్ఝరిణి | ఝంఝ |
| झरना | नदी | तूफान |

ఝ ఝ ఝ

# ట

# టమాట

## टमाटर

పిల్లలూ! టమాటాలు టపాసులూ ఒకటేనా?
కాదు! కాదు! కానేకాదు!
కెరటం కలలూ ఒకటేనా?
కాదు! కాదు! కానేకాదు!
బస్సూ సిలబస్సు ఒకటేనా?
పరీక్షగుండెదడలు వద్దే వద్దు!

టపాసులు

पटाखा

కట్టెబొగ్గు

कोयला

కెరటం

लहर

ట ట ట

# ఠ

## ఠంకశాల

## डाकघर

పోయొద్దాం పోయొద్దాం
పోస్టాఫీసు లో పొద్దుపుకు
మిఠాయి తింటూ జాగులేక
చెంగు చెంగున గంతులేస్తూ!!!

| | | |
|---|---|---|
| ఠావు | మిఠాయి | కంఠం |
| कागज | मिठाई | गला |

| ఠ | ఠ | ఠ | |
|---|---|---|---|

# డ

# డప్పు

## डप्पू

బడిలో ఢాం ఢాం ఢాం అని డ్రమ్ము మోగితే - అసెంబ్లీవేళ,
ఢాం ఢాం ఢాం అంటూకొనసాగితే అది తరగతిగది వేళ
ఊరిలో ఢం టకటక మని డప్పుమోత మోగితే -
బియ్యంపప్పూ వచ్చిన మోత
ఢం టకటక కొనసాగితే - నాడి నిలిచిన మోత!

| | | |
| --- | --- | --- |
| డజను | కడియం | దూడ |
| दर्जन | कंगन | बछड़ा |

| డ | డ | డ | |
| --- | --- | --- | --- |

ఢ

ఢంకా

नगाड़ा

పిల్లలూ!
ఢాం ఢాం మని ఢంకా మోగింది
ధూం ధాం మని మోగిద్దాం
విజయఢంకా
కలిసికట్టుగా రారండీ ఒక్కపేటున!

ఢమరుకం

डमरू

గాఢనిద్ర

गहरी नींद

శరీర దారుఢ్యం

शारीरिक योग्यता

ఢ ఢ ఢ

# ణ

## బాణం

## तीर

పిల్లలూ మోగింది వీణ
హృదయాలలోన
నాణ్యమైన సుమధుర స్వరాలతోన
ఇక పులకరింతలే ఇక పలవరింతలే!

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| వీణ | గణిసిగెడ్డ | ఓణీ |
| वीणा | शकरकंद | चुन्नी |

ణ ణ ణ

# త

## తల

## सिर

వినండి! చిన్నారులూ!
తల తలపులు తలుపులే
నవ్య ఆవిష్కరణకుతెరచిన తలుపులే
భావిభవితకు మలుపులే
దేశ ప్రగతికిమెట్టులే
తెలుసుకున్నారా! చిన్నారులూ!

తబల

तबला

చింతకాయ

इमली

చిరుత

चीता

త త త

# ఢ

# రఢం

# रथ

చిన్నారులూ! వినండి!
నేటి జీవనం రేపటి కఢనం!
రఢమెక్కి పయనిద్దాం
ప్రగతి పఢాన!
సరేనా! చిన్నారులూ!
సరే! సరే! సరే!

ఢర్మామీటరు

तापमापी

గ్రంఢాలయం

पुस्तकालय

బుర్రకఢ

कथावाचक समूह

ఢ ఢ ఢ

# ద

## దండ

## हार

దండలోయ్ దండలోయ్
అల్లేద్దాం అల్లేద్దాం
రంగుల పూలతో చక్కగా
వేసేద్దాం వేసేద్దాం గురువులకు
పటమైనా! భూపటం పై ఉన్నా!

దుప్పి

बारहसिंगा

వరదగుడి

इंद्रधनुष

ఆముదం

एरंड तेल

| | | | |
|---|---|---|---|
| ద | ద | ద | |

# ధ

## ధనం

## धन

ధనం ఇచ్చును సౌఖ్యాన్ని
ధనుస్సు ఇచ్చును విజయాన్ని
గోధుమ ఇచ్చును బలాన్ని
గంధం ఇచ్చును సువాసన

| | | |
| --- | --- | --- |
| ధనుస్సు | గోధుమ | గంధం |
| धनुष | गेहूँ | चंदन |

ధ ధ ధ

# న

# నగలు

# गहना

నగలన్నీ నాకే నంట
నాన్న మాట నాకు వరాలమూట
పాడిపాలు పాపాయికి ఇచ్చేద్దాం
పనసతోనలు పంచేద్దాం అందరికీ!

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| నవ్వు | పనస | నాన్న |
| हँसी | कटहल | पिता |

న న న

ప

పలక

स्लेट

పలకాబలపం పట్టేద్దాం
పరుగు పరుగున బడికెళ్ళొద్దాం
చపాతీలు తిని నీళ్ళు తాగేద్దాం
పదిగంటలకే పడకెక్కేద్దాం

| పడక | చపాతీ | పంపు |
| --- | --- | --- |
| पलंग | रोटी | नल |

ప ప ప

# ఫ

# సీతాఫలం

## शरीफा

ఆహా! జీర్ణక్రియకు వృద్ధికారకం
మలబద్ధకానికి మరఫిరంగి
దేహాపుష్టి రోగనిరోధకశక్తి మెండు
అదే కాదా! ఈ ఫలం సీతాఫలం!

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| ఫిరంగి | శిలాఫలకం | కాఫీ |
| तोप | शिलापट्ट | कॉफी |

ఫ ఫ ఫ

# బ

## బడి

## विद्यालय

బడికిపోదాం! ఏకరూప దుస్తులతో!
చదువుకుందాం చదువులు పట్టుదలతో
ఆడుకుందాం బంతిఆటలు మైదానంలో
బడికిపోదాం! చదువుకుందాం! ఆడుకుందాం!
హాయిగా! హుషారుగా! ఉత్తేజంతో!

| | | |
|---|---|---|
| బంతి | కబడ్డీ | చెంబు |
| गेंद | कबड्डी | लोटा |

| బ | బ | బ | |
|---|---|---|---|

# భ

## భవనం

## भवन

అందమైన భవనం
నగరానికి అందం!
నమ్మకమైన భటుడు
దేశానికి మూల స్తంభం!

భోజనం

भोजन

బాలభటుడు

स्काउट

స్తంభం

स्तंभ

భ భ భ

# మ

# మందారం

# गुड़हल

మందారం మాకిష్టం
మరపట్టిన పేలాలపిండీ మాకిష్టం
చలిమిడి పాకం మాకిష్టం
దానిమ్మపండ్లూ మాకిష్టం

మర

चक्की

చలిమిడి

मीठा पकवान

దానిమ్మ

अनार

మ మ మ

# య

# యవలు

जौ

యవలు కలిగిస్తాయి
ఎముకలపుష్టి!
విద్యాయాత్రలకు జోడిస్తాయి
రోగనిరోధక శక్తి!
అదే  కదా! పోషక పదార్థాల సమృద్ధి!

| | | |
|---|---|---|
| యాత్ర | చలువయంత్రం | సొరకాయ |
| यात्रा | वातानुकूलन यंत्र | लौकी |

య య య

# ర

## రత్నం

हीरा

రత్నాల హారం మాకిష్టం
రంగవల్లులే మాకిష్టం
నిమ్మరసం మాకిష్టం
కొత్త కారులే మాకిష్టం

రంగవల్లి

रंगोली

నిమ్మరసం

शिकंजी

కారు

कार

ర ర ర

ల

లత

लता

తీగమొక్కలు ఇంటికి అందం
తీగలపందిరి వాకిటికి అందం
కలపవంతెనలపై నడకలు అందం
లవంగ వాడకం వంటికి అందం

| లవంగ | కలప | మేజాబల్ల |
|---|---|---|
| लौंग | बाँस | मेज |

ల ల ల

# వ

## వక్క

## सुपारी

వాడేద్దాం వాడేద్దాం వక్క
తినేద్దాం  తినేద్దాం వడ సాంబార్
చేసేద్దాం  చేసేద్దాంపడవ ప్రయాణం
అన్నీ చేద్దాం సమయోచితంగా!

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| వడ | కావడి | పడవ |
| वड़ा | काँवड़ | नाव |

| | | | |
|---|---|---|---|
| వ | వ | వ | |

# శ

# శనక్కాయలు

## मूंगफली

పిల్లలూ! రండి రండి!
వేడిగ వేపిన వేపుడు శనగవిత్తనాలు
కర కరలాడే పప్పుచెక్క
తీపితీపి పుప్పుండలూ
గుండె, ఎముకలకూ బలం! బలం!
తినేద్దాం! తినేద్దాం! వేడి వేడిగా!

| | | |
| --- | --- | --- |
| శకటం | పశువులు | ఆకాశం |
| वाहन | जानवर | आकाश |

శ శ శ

ష

# షరాయి

पतलून

లాగు నిక్కరు చెరాయి, షరాయి ఒకటేనా
ఒకటే! ఒకటే! ఒకటే!
బాలలకబ్బిన షరాయి
ఇదే! ఇదే! ఇదే!
పెద్దలు మెచ్చిన షరాయి
ఇదే! ఇదే! ఇదే!

| 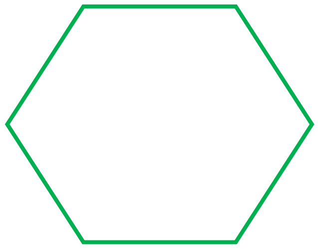 | | |
|---|---|---|
| షట్భుజం | భూషణం | మేషం |
| षट्कोण | आभूषण | मेष |

ష ష ష

స

సపోట

चीकू

తీపితీపి సపోటా మా పెరటి సపోటా
పీచుపీచు, గుజ్జుగుజ్జు సపోటా
బస్సులో వచ్చిన సపోటా
సంచిలో తెచ్చిన సపోటా
కంటి చూపుకూ జీర్ణానికీ సపోటా

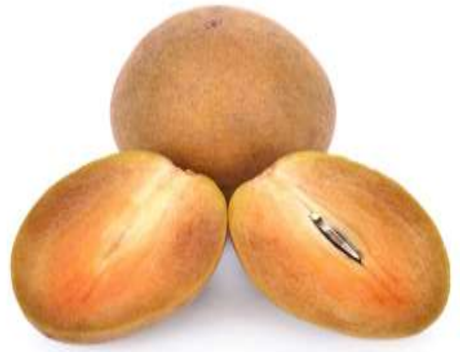

| సంచి | పసుపుకొమ్ము | బస్సు |
| --- | --- | --- |
| थैला | हल्दी | बस |

స స స

# హ

## హంస

## हंस

రండీ రండీ రారండీ
విద్యా యాత్రకు వెళ్లొద్దాం
సరిహద్దు దాటకుండా
హంసనూ సింహాన్నీ చూసొద్దాం!
తీపి తీపి హల్వా తినొద్దాం!

హల్వా

हलवा

సరిహద్దు

सीमा

సింహం

शेर

హ హ హ

# ళ

# కళ్ళజోడు

## चश्मा

వినండి! వినండి! బుజ్జాయిలూ!
ప్రకాశకాంతికి వేడికి అడ్డుగోడ
కంటి అలసటకు కేడెం
చదువుకూ తలనొప్పికీ ఉపకరణం
ఇదే  మన అద్దాల జోడు! ఈకళ్ళజోడు!

| | | |
|---|---|---|
| గోళ్ళు | గళ్ళచొక్కా | పళ్ళు |
| नाखून | धारीदार कमीज | दाँत |

ళ ళ ళ

# క్ష

## క్షీరం

दूध

పిల్లలూ! వినండీ!
క్షీరపుష్టితో బలమొంది
విద్యాబుద్ధులు నేర్చేసి
అధిక శ్రేణులను పొందేస్తే
అక్షరాలా అల్లూరిలా నక్షత్రాలు మీరే
నక్షత్రాలోయ్! నక్షత్రాలు!

| | | |
|---|---|---|
| క్షత్రియుడు | నక్షత్రం | వృక్షం |
| क्षत्रिय | तारा | पेड़ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| క్ష | క్ష | క్ష | |

| అక్షరం | గుణింతం | పదం | బొమ్మ |
|---|---|---|---|
| అ | ✓ | నడక | |
| ఆ | ◌ా | కాకి | |
| ఇ | ◌ి | చిలుక | |
| ఈ | ◌ీ | సీసా | |
| ఉ | ◌ు | రంగులు | 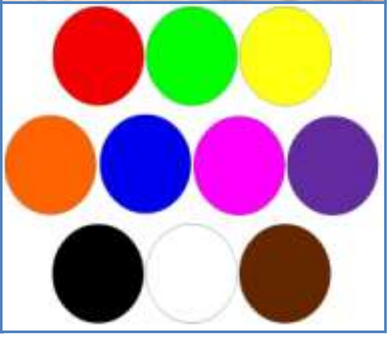 |

| అక్షరం | గుణింతం | పదం | బొమ్మ |
|---|---|---|---|
| ఊ | ◌ూ | బూర | |
| ఋ | ◌ృ | కృషీవలుడు | |
| ఎ | ◌ె | పెరుగు | |
| ఏ | ◌ే | గేదె | |
| ఐ | ◌ై | సైకిలు | |

| అక్షరం | గుణింతం | పదం | బొమ్మ |
|---|---|---|---|
| ఒ | ◌ొ | బొంగరం | |
| ఓ | ◌ో | కోడిపిల్ల | |
| ఔ | ◌ౌ | గౌను | |
| అం | ◌ం | పావురం | |
| అః | ◌ః | అంతఃపురం | |

| తెలుగు అంకెలు ౧ నుండి ౨౦ వరకు లెక్కబెడదాం | | | |
|---|---|---|---|
| ౧ | ఒకటి | | 1 |
| ౨ | రెండు | | 2 |
| ౩ | మూడు | | 3 |
| ౪ | **నాలుగు** | | 4 |
| ౫ | ఐదు | | 5 |
| ౬ | ఆరు | | 6 |
| ౭ | ఏడు | | 7 |
| ౮ | ఎనిమిది | | 8 |
| ౯ | తొమ్మిది | | 9 |
| ౧౦ | పది | | 10 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ౧౧ | పదకొండు | | 11 |
| ౧౨ | పన్నెండు | | 12 |
| ౧౩ | పదమూడు | | 13 |
| ౧౪ | పధ్నాలుగు | | 14 |
| ౧౫ | పదిహేను | | 15 |
| ౧౬ | పదహారు | | 16 |
| ౧౭ | పదిహేడు | | 17 |
| ౧౮ | పద్దెనిమిది | | 18 |
| ౧౯ | పంతొమ్మిది | | 19 |
| ౨౦ | ఇరవై | | 20 |

| ఈ కింది అంకెలను దిద్దండి | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ౧ | ౧ | ౧ | ౧ | |
| ౨ | ౨ | ౨ | ౨ | |
| ౩ | ౩ | ౩ | ౩ | |
| ౪ | ౪ | ౪ | ౪ | |
| ౫ | ౫ | ౫ | ౫ | |
| ౬ | ౬ | ౬ | ౬ | |
| ౭ | ౭ | ౭ | ౭ | |
| ౮ | ౮ | ౮ | ౮ | |
| ౯ | ౯ | ౯ | ౯ | |
| ౧౦ | ౧౦ | ౧౦ | ౧౦ | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ᱑᱑ | ᱑᱑ | ᱑᱑ | ᱑᱑ | |
| ᱑᱒ | ᱑᱒ | ᱑᱒ | ᱑᱒ | |
| ᱑᱓ | ᱑᱓ | ᱑᱓ | ᱑᱓ | |
| ᱑᱔ | ᱑᱔ | ᱑᱔ | ᱑᱔ | |
| ᱑᱕ | ᱑᱕ | ᱑᱕ | ᱑᱕ | |
| ᱑᱖ | ᱑᱖ | ᱑᱖ | ᱑᱖ | |
| ᱑᱗ | ᱑᱗ | ᱑᱗ | ᱑᱗ | |
| ᱑᱘ | ᱑᱘ | ᱑᱘ | ᱑᱘ | |
| ᱑᱙ | ᱑᱙ | ᱑᱙ | ᱑᱙ | |
| ᱒᱐ | ᱒᱐ | ᱒᱐ | ᱒᱐ | |

# हिंदी वर्ण

## स्वर

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | आ | इ | ई | उ | ऊ | ऋ |
| ए | ऐ | ओ | औ | अं | अः | |

## व्यंजन

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क | ख | ग | घ | ङ |
| च | छ | ज | झ | ञ |
| ट | ठ | ड | ढ | ण |
| त | थ | द | ध | न |
| प | फ | ब | भ | म |
| य | र | ल | व | श |
| ष | स | ह | | |
| क्ष | त्र | ज्ञ | | |
| श्र | ड़ | ढ़ | | |

# ePathshala

## Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| Install ePathshala Scanner app from Play Store and open | Get ready with QR code scanning window | Place scanner above the QR code | Select and click on the link | Use available e-Resource |

**For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:**

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

# DIKSHA

**Download DIKSHA app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using DIKSHA**

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Select preferred language | Choose your role: Student or Teacher | Grant access and allow app permissions | Tap to scan the QR code | Focus camera on the QR code in textbook | Click to Play QR code specific e-resource(s) |

**For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:**

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

## PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

### PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

| SN | Language | SN | Language | SN | Language | SN | Language | SN | Language |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ANAL | 12 | HALABI (HALBI) | 23 | KONDA | 34 | MANIPURI | 45 | SANTALI (WEST BENGAL) |
| 2 | ANGAMI | 13 | HMAR | 24 | KORKU | 35 | MAO | 46 | SAVARA (SORA) |
| 3 | AO | 14 | JATAPU (KUVI) | 25 | KOYA | 36 | MISHMI | 47 | SHERPA |
| 4 | ASSAMESE | 15 | JUANG | 26 | KUI | 37 | MISING | 48 | SÜMI (SEMA) |
| 5 | BHUTIA | 16 | KABUI (RONGMEI) | 27 | KUKI | 38 | MIZO | 49 | TAMANG |
| 6 | BODO | 17 | KARBI | 28 | KURUKH/ORAON | 39 | MOGH | 50 | TANGKHUL |
| 7 | DEORI | 18 | KHANDESHI | 29 | KUWI | 40 | MUNDARI | 51 | TANGSA |
| 8 | DESIA | 19 | KHARIA | 30 | KUZHALE (KHEZHA) | 41 | NEPALI | 52 | TIWA (LALUNG) |
| 9 | DIMASA | 20 | KINNAURI | 31 | LIANGMAI | 42 | NYISHI (NISSI) | 53 | TULU |
| 10 | GADABA (GUTOB) | 21 | KISAN (KUNHU) | 32 | LIMBU | 43 | RAI | 54 | WANCHO |
| 11 | GARO | 22 | KODAVA (COORGI/KODAGU) | 33 | LOTHA | 44 | SANTALI (ODISHA) | | |

### PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

| SN | Language | SN | Language | SN | Language | SN | Language | SN | Language |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 55 | ADI | 60 | HO | 65 | KOM | 70 | MARAM | 75 | RENGMA |
| 56 | BHUMIJ | 61 | KHIAMNIUNGAN | 66 | KONYAK | 71 | NOCTE | 76 | SHINA |
| 57 | CHANG | 62 | KOCH | 67 | LADAKHI | 72 | PASHTO | 77 | TAMIL |
| 58 | GONDI | 63 | KODA (KORA) | 68 | LEPCHA | 73 | POCHURY | 78 | TIBETAN |
| 59 | HALAM | 64 | KOLAMI | 69 | MARA (LAKHER) | 74 | RABHA | 79 | YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE) |

### PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (43)

| SN | Language | SN | Language | SN | Language | SN | Language | SN | Language |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 80 | BALTI | 89 | HINDI | 98 | LAI (PAWI) | 106 | NANCOWRY | 114 | SANSKRIT |
| 81 | BENGALI | 90 | KANDHA (KHOND) | 99 | MAITHILI | 107 | NICOBARESE-CAR | 115 | SANTALI (JHARKHAND) |
| 82 | BHILI | 91 | KANNADA | 100 | MALAYALAM | 108 | ODIA | 116 | SINDHI |
| 83 | BISHNUPRIYA MANIPURI | 92 | KASHMIRI | 101 | MALTO | 109 | PAITE | 117 | TELUGU |
| 84 | CHOKRI | 93 | KHASI | 102 | MARATHI | 110 | PARJI (DURUA) | 118 | THADOU-KUKI |
| 85 | DOGRI | 94 | KOKBOROK (TRIPURI) | 103 | MARING | 111 | PHOM | 119 | URDU |
| 86 | GANGTE | 95 | KONKANI | 104 | MONPA | 112 | PUNJABI | 120 | VAIPHEI |
| 87 | GONDI-TELUGU | 96 | KORWA | 105 | MUNDA | 113 | SANGTAM | 121 | ZEME (ZEMI) |
| 88 | GUJARATI | 97 | LAHAULI | | | | | 122 | ZOU |


भारतीय भाषा संस्थान

**Central Institute of Indian Languages**

(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)

Manasagangotri, Mysuru - 570 006

0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

**National Council of Educational Research and Training**

Sri Aurobindo Marg

New Delhi - 110016

011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in